श्री शंकरावरील पदें

पद ८१

हर हर शिव शंकर शंभो हर हर।।धु.।। पंचवदन विरुपाक्षा। विध्वंसन क्रतुदक्षा ।।१।। गौरीवर गंगाधर। अहिकुंडल शशिशेखर।।२।। पशुपति भस्मोद्धारण। दशकर मदन हुताशन।।३।। नीलग्रीव रुण्डमाळ। ग्राहक नर कपाला।।४।। गजचर्मवसन विश्वेशा। जगतारक व्योमकेशा।।५।। विषभक्षक

मृत्युंजय। ॐ नमः शिवाय भवाय।। ६।। मदनांतक सुखदायक। सह पिशाच्च स्मशान स्थायक।।७।। गजवदन षडानन ताता। सकल दैवतत्राता।।८।। मायाविकार विहीना। रक्षक माणिकादीना।।९।।